बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



खोई हुई भेड़

हर व्यक्ति के लिए परमेश्वर के प्रेम की एक दृष्टान्त-कहानी।



यीशु सबको अपनाता था

बहुत से लोग यीशु की बातें सुनने उसके पास आते थे। कुछ धार्मिक अगुवे शिकायत करते थे कि यीशु उन लोगों को प्रेम से अपनाता है जिन्हें वे पापी समझते थे, और उनके साथ भोजन भी करता है।



सोचने के लिए एक कहानी

तब यीशु ने उन्हें एक दृष्टान्त सुनाया: ‘मान लो कि तुम में से किसी के पास सौ भेड़ें हों और उनमें से एक खो जाए। वह क्या करेगा?’



सौ भेड़ें

चरवाहा सौ भेड़ों के झुंड की देखभाल करता था। वह उन्हें अच्छे चरागाह तक ले जाता, पानी पिलाता और ध्यान रखता कि कोई दूर न भटके।



एक कम थी

जब चरवाहे ने भेड़ों को गिना, तो केवल निन्यानवे थीं। एक भेड़ खो गई थी। उसके लिए वह एक भेड़ भी बहुत महत्वपूर्ण थी।



निन्यानवे भेड़ें

चरवाहे ने निन्यानवे भेड़ों को मैदान में साथ छोड़ दिया और खोई हुई भेड़ की खोज में निकल पड़ा। उसने निश्चय किया कि उसे मिलने तक खोजता रहेगा।



उसकी खोज में

चरवाहा पत्थरीले रास्तों पर चला, पहाड़ियों पर चढ़ा और झाड़ियों के बीच देखा। रास्ता कठिन था, फिर भी वह धीरज से खोजता रहा।



चरवाहे ने उसे पुकारा

बार-बार चरवाहा अपनी भेड़ को पुकारता। वह रुककर ध्यान से सुनता, यह आशा करते हुए कि पहाड़ों के बीच से कोई उत्तर सुनाई देगा।



उसे मिल गई!

आखिर उसे धीमी-सी मिमियाहट सुनाई दी। वह भेड़ अकेली और डरी हुई पौधों और चट्टानों के पास थी। उसे देखकर चरवाहा बहुत आनन्दित हुआ।



बहुत कोमलता से

चरवाहे ने उसे डाँटा नहीं। वह धीरे से पास गया, उसे टहनियों से छुड़ाया और देखा कि वह ठीक है। फिर बहुत सावधानी से उसे उठा लिया।



अपने कन्धों पर

आनन्द से भरा चरवाहा भेड़ को अपने कन्धों पर रखकर ले चला। पूरे रास्ते वह स्वयं उसे सुरक्षित और संरक्षित रखकर वापस लाया।



फिर झुंड के साथ

जब वह लौटा, निन्यानवे भेड़ें वहीं थीं। खोई हुई छोटी भेड़ फिर सबके साथ थी और चरवाहा बहुत खुश था।



मेरे साथ आनन्द करो

चरवाहे ने अपने मित्रों और पड़ोसियों को बुलाकर कहा, ‘मेरे साथ आनन्द करो, क्योंकि मेरी खोई हुई भेड़ मिल गई है।’ सबने उसके आनन्द में भाग लिया।



स्वर्ग में आनन्द

यीशु ने समझाया कि जैसे चरवाहा आनन्दित हुआ, वैसे ही जब कोई व्यक्ति पश्चाताप करके परमेश्वर के पास लौटता है तो स्वर्ग में आनन्द होता है। उसके लिए कोई भी भुलाया नहीं जाता।